# भक्तों की नैया के खेवनहार हनुमान भजन लिरिक्स

भक्तों की नैया के खेवनहार,
बल और बुद्धि का है भण्डार,
बड़ा बलवाला है मेरा बजरंगी,
अंजनी का लाला है मेरा बजरंगी।bd।

तर्ज – आने से उसके।

---

काँधे जनेऊ सोहे,
और हाथों में सुन्दर है घोटा,
बाहों में बाजूबंद,
और पहना है लाल लंगोटा,
माथे पे सोहे तिलक,
और कानों में बाला है,
मेरा बजरंगी,
अंजनी का लाला है मेरा बजरंगी।bd।

---

राम और लखन को,
अहिरावण से कपि ने छुड़ाया,
बालापन में इसने,
सूरज को मुख में दबाया,
तब से ही नाम पड़ा,
बजरंग बाला है,
मेरा बजरंगी,
अंजनी का लाला है मेरा बजरंगी।bd।

---

लाकर संजीवनी बूटी,
तूने लक्ष्मण के प्राण बचाया,
सागर को लाँघ करके,
तूने सीता का पता लगाया,
सोने की लंका को,
फूँक ही डाला है,
मेरा बजरंगी,
अंजनी का लाला है मेरा बजरंगी।bd।

---

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी आपके मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

मैं हूँ अंजान निपट अनाड़ी,
अनेकों भक्त तारे,
कब आएगी “परशुराम”की बारी,
श्रीमानस मण्डल,
की करता सदा रखवाला है,
मेरा बजरंगी,
अंजनी का लाला है मेरा बजरंगी।bd।

---

भक्तों की नैया के खेवनहार,
बल और बुद्धि का है भण्डार,
बड़ा बलवाला है मेरा बजरंगी,
अंजनी का लाला है मेरा बजरंगी।bd।

लेखक एवं प्रेषक – परशुराम उपाध्याय।
9307386438

---

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com